बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु–सामग्री

कक्षा : IX & X

विषय : संगीत (गायन, वादन नृत्य)

सहयोग : बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग : यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शिक्षकों के लिए निर्देश

आप सभी अवगत हैं कि पिछले लगभग 10 माह से कोविड 19 के कारण विद्यालयों में बच्चों का पठन–पाठन सहित अन्य शैक्षणिक कार्य बाधित रहा है जिसके कारण उनके सीखने की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो गई है। इस लंबे और त्रासद अंतराल ने इस दौरान सीखने के अपेक्षित अवसरों को, खास कर विद्यालय में, कम कर दिया जिसके कारण बच्चों में Learning Loss या Gap बढ़ गया है। अतः ये आवश्यक और अपेक्षित है कि इस Learning Loss या Gap को कम किया जाय। शिक्षा से जुड़े विभिन्न हितधारकों से व्यापक विचार–विमर्श के उपरांत राज्य स्तर पर यह निर्णय लिया गया कि बच्चों के सीखने सिखाने की प्रक्रिया को गति प्रदान करने और उनमें अगली कक्षा की दक्षताओं के प्रति तत्परता उत्पन्न हो सके, इसके लिए अगले तीन महीनो के लिए कोविड काल से सम्बन्धित कक्षा के लिए, अधिगम प्रतिफलों के आलोक में विषय वस्तु को इस तरह तार्किक और संतुलित रूप से कम करते हुए प्रस्तुत किया जाय कि Learning Loss या Gap को कम किया जा सके। इसके लिए तीन माह का Catch-Up-Course विकसित करते हुए पाठ्य–पुस्तक से उन सामग्रियों/विषय वस्तुओं/गतिविधियों की पहचान की गई जिनके माध्यम से बच्चों के Learning Loss या Gap को कम करते हुए अपेक्षित अधिगम प्रतिफल सुनिश्चित कर उन्हें अगली कक्षा के लिए तैयार और तत्पर किया जा सके। वस्तुतः चिन्हित सामग्री/विषय वस्तु/गतिविधियां, क्रियाकलाप तथा शिक्षण रणनीति पूर्व और अगली कक्षा के लिए सेतु का कार्य करेगी।

वैकल्पिक शैक्षणिक कैलेंण्डर के अंतर्गत Catch-Up-Course और चयनित विषय वस्तु के आलोक में बच्चों में अपेक्षित अधिगम प्रतिफल सुनिश्चित हो सके इस हेतु निम्न तथ्यों को ध्यान में रखा जाना अपेक्षित है।

- कोविड– 19 की सुरक्षा से सम्बन्धित सभी विभागीय निर्देशों एवं प्रावधानों का पूर्णतः सावधानी से अनुपालन किया जाए।
- Catch-Up-Course कुल 60 दिनों के लिए विकसित किया गया है।
- चयनित विषयवस्तु में संगीत (गायन,वादन एवं नृत्य) की पाठ्य–पुस्तक 8–9 के पाठ लिए गए हैं। कक्षा 8–9 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 9–10 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए तीन महीनों का Catch-Up-Course है।
- चिन्हित पाठों से सम्बन्धित अधिगम प्रतिफल या सीखने के प्रतिफल Catch-Up-Course के सम्बन्धित पाठ के साथ दिये गए हैं।
- सभी चिन्हित पाठों के लिए अधिगम संकेतक दिये गए है जिनके आलोक में बच्चों में अधिगम सुनिश्चित किया जाना अपेक्षित है।
- पुनः सभी पाठों के साथ बच्चों में सहज अधिगम सुनिश्चित किए जाने को ध्यान में रखते हुए उससे सम्बन्धित कुछ सुझावात्मक प्रक्रिया दी गई है जिनका उपयोग कक्षा कक्ष प्रक्रिया में किया जा सकता है। ध्यान रहे ये प्रक्रिया मात्र सुझाव है न कि अंतिम। आप पाठ से सम्बन्धित नवाचारी प्रक्रियों का उपयोग करके अपनी प्रस्तुति को और भी सुगम बनाते हुए बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सहज और आकर्षक बना सकते हैं।
- सुझावात्मक प्रक्रिया के अंतर्गत पाठ से सम्बन्धित गतिविधियां, क्रिया कलाप और तालिकाओं की चर्चा की गई है जिन्हें कक्षा कक्ष में सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में शामिल किया जाना अपेक्षित है जिससे बच्चों का सीखना सुनिश्चित हो सके और अधिगम प्रतिफल की संप्राप्ति हो सके।
- सुविधा के लिए प्रत्येक पाठ से संबन्धित गतिविधियों, क्रियाकलाप और तालिका से संबन्धित पृष्ठों को भी अंकित किया गया है।
- पुनः सभी चिन्हित पाठों से संबन्धित सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए संभावित दिनों की संख्या भी सुझााई गई है जिसे ध्यान में रखा जाय।

- सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों को बातचीत करने, अपने अनुभवों को साझा करने और जहां तक संभव हो स्वयं से कर के सीखने का पर्याप्त अवसर दिया जाना अपेक्षित है। इससे बच्चों को कोविड 19 के कारण हुए विविध आघात (Trauma) और संबन्धित दुष्प्रभावों से बाहर निकालने में मदद मिलेगी, बच्चे सहज हो सकेंगे, विद्यालय, कक्षा और अपने सहपाठियों के प्रति भी सहज हो सकेंगे।
- यह ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि बच्चे पूरी शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में मानसिक और शारीरिक रूप से सहज बने रहे। सम्पूर्ण शैक्षिक प्रक्रिया और विद्यालय वातावरण दवाबमुक्त हो।

निदेशक
(गिरिवर दयाल सिंह)
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
बिहार, पटना।

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री (catch up course)
कक्षा : 9 व 10 (कक्षा–8 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 9 व 10 में पढ़ रहें हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवस की सामग्री

Class **: 9 & 10** **Subject :** संगीत (नृत्य)

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक(संसाधन) एवं संसाधन	(क्रियात्मक) सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोंमें)
✓ भारतीय सांस्कृतिक धरोहर एवं कलाओ को जानें व समझेगें।	• भारतीय नृत्य शैलियां • पारंपरिक नृत्य शैली (लोक नृत्य)	✓ तबला, ढोलक, घुंघरू, ✓ नृत्य शैली के अनुसार परिधान ✓ सहायक तंत्र वाद्य यंत्र ✓ रेडियो, दूरदर्शन	✓ संगीत के बारे में बच्चों को समझाना गायन, वादन एवं नृत्य इन तीनों विधाओं के बारे में बताना ✓ बिहार के लोक नृत्य शैली में झूमर, फसल गीत इत्यादि की प्रस्तुति सीख कर करें।	प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधि 4–5 दिन
✓ शास्त्रीय नृत्य की उत्पत्ति और कत्थक नृत्य के बारे में जानेगे।	• कत्थक नृत्य का संक्षिप्त परिचय	✓ अपने दैनिक क्रिया–कलापों में (अभिनय) छिपे चेहरे के भाव(मुस्कुराना, हंसना, रोना, क्रोध, भय, इत्यादि) को समझाना।	✓ अपने पाठ्य–क्रमों से कहानियों/कविताओं को रूपांतरित कर नृत्य–नाटिका की प्रस्तुति करें। ✓ मुखौटा नृत्य(छउ नृत्य) मुखौटा बनायें।	कुल अवधि 60 कार्य दिवस
✓ दैनिक क्रिया–कलापों एवं बातचीत में भावों और अभिनय के बारे में लिखेंगें।	• परिभाषा–थाट, तत्कार, टुकड़ा, तिहाई, आमद, भाव, मुद्रा	✓ संगीत के कुछको गुरूजी के द्वारा विडियों से सिखाने का प्रयास करते हैं।	✓ सरस्वती वंदना, ईष्ट स्तुति, भाव नृत्य शैली में चेतना सत्र में प्रस्तुति।	
✓ मंच प्रस्तुति के माध्यम से आत्म विष्वास का विकास	• ताल–तीनताल, दादरा	✓ हाथों की उंगलियों की सहायता से विभिन्न मुद्राओं को समझाना	✓ तत्कार(पद–संचालन) का अभ्यास ठाह, दुगुन में करें।	
✓ संगीतज्ञों की जीवनी से प्रेरणा लेते है।	• जीवनी पण्डित बिरजु महाराज	✓ कुछ क्षेत्रीय कलाकारों बारे में भी बताते है।	✓ दूरदर्शन एवं इन्टरनेट के माध्यम से भारतीय नृत्य शैलियों को देखें एवं जाने (डीडी भारती)	

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री (catch up course)
कक्षा : 9 (कक्षा–8 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 9 में पढ़ रहें हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवस की सामग्री

Class : 9th **Subject : संगीत (गायन एवं तंत्र)**

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक(संसाधन) एवं संसाधन	(क्रियात्मक)सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोंमें)
✓ भारतीय संस्कृति में संगीत का महत्व समझते है। ✓ भारतीय संगीत के सात स्वरों को गाते/बजाते है तथा वाद्य–यंत्रों को पहचानते है तथा ✓ उसकी संरचना को समझते है।	• संगीत का संक्षिप्त परिचय • अलंकार(सरगम) • परिभाषा–स्वर, सप्तक, राग, वादी, संवादी, ताल	✓ संगीत के तीनों विधा गायन, वादन, नृत्य को समझाना (संसाधन) हारमोनियम, तबला, तानपूरा ✓ रेडियो, टेलीविजन, ढोलक, डफ, मंजीरा, करताल ✓ वाद्य–यंत्र के की–बोर्ड के बारे में समझाना तीनों सप्तक (मध्य, मंद्र, तार) को समझाना	✓ रेडियो एवं दूरदर्षन के संगीत के विविध कार्यक्रमों का अवलोकन जैसे संगीत सरिता, तरंग इत्यादि। ✓ शुद्ध स्वरों के सरगम को आरोह अवरोह में ठाह एवं दुगुन का अभ्यास करना। ✓ स्वर अभ्यास कर स्वर साधना शुद्ध स्वर एवं विकृत स्वरों को समझना ✓ प्राणायाम के द्वारा श्वास एवं स्वरों पर नियंत्रण करना। ✓ तंत्र एवं ताल वाद्य–यंत्रों को बजाने का अभ्यास करना।	प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधि 5–6 दिन
✓ तानपुरे के तार को छेड़ कम्पन द्वारा ध्वनि की उत्पत्ति के विज्ञान को समझते है। ✓ प्राणायाम एवं योग के लाभ को समझते और महसूस करते है। ✓ सांगितिक गतिविधि द्वारा सृजनात्मक क्षमता विकसित करते है	• संगीत के प्रकार शास्त्रीय संगीत सुगम संगीत लोक संगीत	✓ शास्त्रीय , उप शास्त्रीय, सुगम संगीत एवं लोक संगीत में अंतर समझना, ✓ रागों द्वारा धुन को समझाना, भजन व प्रार्थना में निहित भावों को समझाना	✓ तानपूरे का चित्र बनाकर उसके सभी अंगों को दर्षाऐं। ✓ वर्ग में ही चेतना सत्र का आयोजन करना प्रार्थना–गीत तू ही राम है, तू रहीम है–––––– राष्ट्र–गान जन गण मन को सही से गाना उदबोधन गीत–वन्दे मातरम् सारे जहां से अच्छा हम होगें कामयाब बिहार प्रार्थना–मेरी रफ्तार पर इत्यादि शिक्षक के सहयोग से सीख कर प्रस्तुत करें।	कुल अवधि 60 कार्य दिवस

✓ प्रार्थना मन में सद्विचार एवं सकारात्मक उर्जा विकसित करते है।	• राग–भूपाली का परिचय	✓ भूपाली के स्वर आरोह सा रे ग प ध सां अवरोह सां ध प ग रे सा को समझना एवं धुनों को समझाना।	✓ राग भूपाली में आरोह, अवरोह पकड़ एवं एक छोटा ख्याल गाने/बजाने का अभ्यास करें। किसी एक राग में वंदना या स्तुति सीख कर चेतना सत्र में प्रस्तुत करें।	
✓ भारतीय संगीत में प्राचीन एवं आधुनिक संगीत राग–धुन के बारे में समझते है।	राग भैरव का परिचय	✓ भैरव के स्वर आरोह–सा रे ग म प ध नि सां अवरोह–सां नि ध प म ग रे सा	✓ राग भैरव में आरोह अवरोह, पकड़ एवं एक छोटा ख्याल गाने/बजाने का अभ्यास करें।	
✓ ताल की लय गति (रिद्म) को समझते है। ✓ घड़ी के टिक–टिक द्वारा गति को समझते है।	• ताल तीनताल कहरवा	✓ ड्रम बजाना, ताल और मात्राओं को समझाना तबले पर ठेके के बोलों को बजाकर निकालना। ✓ बोल– धा धीं धीं धा धा गे न ति न क धि न	✓ ड्रम पर पथ–गीत(मार्च बीट) बजाने का अभ्यास करे। (षिक्षक का सहयोग लें)। ✓ तीनताल और कहरवा के बोलों को ताली देकर बोलने का अभ्यास करें। ✓ अनेक संगीतज्ञों एवं कलाकारों के चित्र और उपलब्धि संग्रह कर चार्ट पेपर पर डिसप्ले करें। ✓ बेकार परे चीजों को पहचानें कर वाद्य यंत्रों का मॉडल बनाऐं। जैसे–एकतारा, ड्रम, डमरू, बांसूरी, इत्यादि। ✓ रेडियों एवं दूरदर्षन के माध्यम से कोरोना एवं अन्य जागरूकता विज्ञापन गीतों (जींगल्स) को सुने गायें तथा अपने इर्द–गिर्द के लोगों को जागृत करें।	
✓ भारतीय संगीतकारों, कलाकारों एवं संगीतज्ञों की उपलब्धियों को समझते है। ✓ समाज के उत्थान में संगीत एवं कला के महत्व को समझते है।	• जीवनी तानसेन उस्ताद विस्मिल्ला खां	✓ संगीतज्ञों के योगदान और महत्व को समझाना। ✓ संगीत के कम्पोजर के बारे में समझाना।	✓ चार्ट पेपर पर संगीतज्ञों के चित्र संग्रह कर लगाए एवं योगदान बताऐं।	

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री (catch up course)

कक्षा : 10 (कक्षा–9 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 10 में पढ़ रहें हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवस की सामग्री

Class : **10th** **Subject :** संगीत (गायन एवं तंत्र)

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक(संसाधन) एवं संसाधन	(क्रियात्मक)सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोंमें)
✓ भारतीय प्राचीन कला, संगीत को समझते है। ✓ उत्तरी भारतीय एवं दक्षिण भारतीय संगीत को समझते है। ✓ शास्त्रीय संगीत के शास्त्र को समझते है। ✓ पारिभाषिक शब्दों को समझते है। ✓ तानपुरे के तार को छेड़ कम्पन द्वारा ध्वनि की उत्पत्ति के विज्ञान को समझते है।	• भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास एवं परिचय • संगीत पद्धति • हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति का संक्षिप्त परिचय • परिभाषा–ध्वनि, नाद, कम्पन्न, आंदोलन, थाट, जाति, आलाप, स्थाई, अंतरा, ताल, सम	✓ संगीत के भेद, गायन, वादन एवं नृत्य को दूरदर्शन एवं स्मार्ट क्लास के माध्यम से समझाना। ✓ भारत में प्रचलित हिन्दुस्तानी एवं कनार्टक दो पद्धतियों को समझाना ✓ शास्त्रीय संगीत पद्धति एवं शैली को समझाना ✓ म्युजिकल की बोर्ड की संरचना को समझाना –संसाधन– ✓ हारमोनियम, की–बोर्ड , तानपुरा, तबला	✓ रेडियो एवं दूरदर्षन के विविध कार्यक्रमों का अवलोकन जैसे–रेडियो में संगीत सरिता, अनुरंजनी, युववाणी इत्यादि दूरदर्षन–तरंग, डीडी भारती, सा रे ग म प इत्यादि। ✓ इन्टरनेट का सदुपयोग कर संगीत के विभिन्न शैली को जानें। NCERT/SCERT के साइट पर उपलब्ध जानकारी का लाभ उठाऐं। ✓ हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत को अनेक माध्यम से सुनें एवं संग्रह करें। ✓ तंत्र एवं ताल वाद्य यंत्रों को बजाने का अभ्यास करे एवं स्वर–ताल के सामंजस्य को समझे। ✓ चार्ट पेपर पर तानपुरे और तबले का सचित्र वर्णन करें। ✓ शुद्ध एवं विकृत स्वरों के कुछ कठिन अलंकारों और पलटों का लय–बद्ध गाने/बजाने का अभ्यास करे। ✓ वाद्य यंत्र के साथ बैठने का सही तरीका सीखें।	प्रत्येक अध्याय एवं गतिविधि 5–6 दिन कुल अवधि 60 कार्य दिवस

✓ स्वरों के उतार–चढाव को गाते और समझते है।	• अलंकार(पलटा)	✓ **<u>कठिन अंलकारों का अभ्यास कराये</u>** रेसानि़सा गरेसारे मगरेग पमगम धपमप निधपध सानिधनि रेंसानिसां रेरेसानि़सा गगरेसारे ममगरेग पपमगम धधपमप निनिधपध सांसांनिधनि रेंरेंसांनिसां इत्यादि	वर्ग में कुछ कठिन अलंकारों का रियाज करें।	
✓ रागों तथा धुनों के रचनात्मक प्रक्रिया को समझते है।	• राग यमन, विलावल, काफी	✓ **<u>राग यमन का आरोह अवरोह</u>** नि़ रे ग मे प ध नि सां सां नि ध प मे ग रे सा **<u>पकड़</u>** नि़ रे ग, रे ग, पमेग, रेसा, ध़नि़रेसा	✓ राग यमन में आरोह अवरोह पकड़ एवं छोटा ख्याल (स्थाई, अंतरा तान के साथ) का अभ्यास कर प्रस्तुति करें। ✓ पाठ्यक्रम के अन्य रागों एवं पूर्व में सीखें हुए रागों का इसी प्रकार अभ्यास कर प्रस्तुत करे।	
✓ गीत के धुनों में रागों एवं तालों के समावेष को समझेगें। ✓ मंद्र, मध्य एवं द्रुत गति को समझते है।	• ताल –तीनताल, चारताल(ध्रुपद), धमार का पूर्ण परिचय	✓ हारमोनियम, तबला, तानपूरा पर हाथ के रख रखाव को समझाना ✓ हारमोनियम तानपूरा, तबला के साथ संगत करना। ✓ इन तालों में ख्याल, ध्रुपद, गायकी को संगत के साथ सिखाऐं।	✓ पाठ्यक्रम में दिए गये तालों के बोलों को ताली–खाली दिखाकर बोलने का अभ्यास करें।	
✓ संगीत के धुनों को लिपिबद्ध करना सिखते है।	• लय–ठाह, दुगुन, चौगुन	✓ संगीत षिक्षक के सहयोग व मार्गदर्षन में रागों एवं तालों के लय को समझना।	✓ तीनताल और चारताल के ठेके के बोलों को ठाह दुगन और चौगुन में ताली देकर बोलने का अभ्यास करे।	

✓ विद्यार्थी संगीत स्वरलिपि पद्धति को लिखना व पढना समझते है। ✓ भारतीय संगीतकारों, कलाकारों एवं संगीतज्ञों की उपलब्धियों को समझते है। ✓ प्रार्थना गीत से समाज के उत्थान में कला साहित्य, संगीत एवं के महत्व को समझते है।	• भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति • जीवनी स्वामी हरिदास, पद्मश्री विन्ध्यवासिनी देवी • देषभक्ति गीत राष्ट्र–गान, प्रार्थना उद्‌बोधन गीत, वन्दे मातरम सारें जहां से अच्छा हम होगे कामयाब	✓ स्वरलिपि, ताल लिपि पद्धति के चिन्हों को ध्यान पूर्वक समझना। ✓ अपने क्षेत्रीय संगीतकारों एवं लोक कलाकारों के बारे में बताऐं। ✓ चेतना सत्र की तैयारी कराऐं	✓ किसी एक राग को भातखण्डे लिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास करें। ✓ संगीतज्ञों एवं कलाकारों के बारे में जानकारी एकत्रित करें ✓ कोरोना एवं अन्य जागरूकता गीतों, विज्ञापन गीत (जींगल्स) सीख कर गायें। लोगों को एवं स्वयं को जागृत करें। ✓ वर्ग में ही चेतना सत्र का आयोजन वर्ग षिक्षक एवं संगीत षिक्षक के सहयोग से करे। ✓ प्रार्थना–तू ही राम है तू ही रहीम है (या कोई भी सर्व धर्म प्रार्थना) • बिहार प्रार्थना–मेरी रफ्तार पे • आज के सुविचार • राष्ट्रगान	

संगीत (गायन, वादन, नृत्य)
लेखन

नाम	विद्यालय/संस्थान का नाम
उपेन्द्र कुमार	एस0बी0 +2, विद्यालय, आरा(भोजपुर)
सुजीत कुमार शर्मा	उ0 मा0 विद्यालय, फुलवारी, पटना

अकादमिक सहयोग–राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार के संकाय सदस्य

- डॉ0 किरण शरण, संयुक्त निदेशक (डायट)–सह–विभाग प्रभारी भाषा एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
- डॉ0 रश्मि प्रभा, विभाग प्रभारी, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डॉ0 रीता राय, विभाग प्रभारी, अध्यापक शिक्षा विभाग
- डॉ0 वीर कुमारी कुजूर, विभाग प्रभारी, शिक्षण शास्त्र, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन विभाग
- श्री राम विनय पासवान, विभाग प्रभारी, दूरस्थ शिक्षा विभाग
- डॉ0 स्नेहाशीष दास, विभाग प्रभारी, विद्यालयी शिक्षा विभाग
- डॉ0 राधे रमण प्रसाद, विभाग प्रभारी, शारीरिक, कला एवं क्राफ्ट विभाग
- डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मंडल, विभाग प्रभारी, शोध, योजना एवं नीति विभाग
- श्री तेजनारायण प्रसाद, व्याख्याता, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डॉ0 अर्चना, प्रभारी, शिक्षा मनोविज्ञान विभाग
- श्रीमती विभा रानी, समन्वयक जनसंख्या शिक्षा कोषांग
- श्रीमती आभा रानी, सम्प्रति व्याख्याता, एस0 सी0 ई0 आर0 टी0., पटना